(d) While pollution control measures are implemented by a large number of industries and local bodies from their own funds, the exact figures on pollution control activities are not available. The animal experditure on the Central Pollution Control Board during 1983-84 was Rs. 88 lakhs and during 1984-85 is expected to be Rs. 165 lakhs.

(e) The major future programmes, are the following:

0) Control of pollution in the river Ganga; (2) Control of Pollution in other rivers according to a phased programme; (3) Control of pollution in the remaining industries; (4) Development of cost effective technology on air and water pollution control; (5) Building up professional expertise ana. manpower; (6) Setting up of National Environmental Monitoring Organisation, and (7) Control of land-based Coastal pollution.

Old Manuscripts of Shri Rahul Sanskrityayan

*87. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what steps the Central Government propose to take to preserve the old manuscripts brought by Shri Rahul Sanskrityayan from Tibet and China; and

(b) what is the present condition of those manuscripts?

THE PRIME JVIINISTER (SHRI RAJIV GANDHI): (a) and (b) The Government of Bihar is responsible for the preservation and custody of old manuscripts brought by Shri Rahul Sanskrityayan from Tibet and China. According to the infor mation received from the State Go vernment the manuscripts have been well preserved by- the Bihar Research Society located in the Patna Museum and their list has also been publish ed.

भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटक

*88. **श्री शंकर सिंह बाघेला:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1984 के दौरान भारत की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में संबंधित लक्ष्य में 1983 की तुलना में कितनी वृद्धि की गई;

(ख) क्या यह सच है कि नवम्बर, 1983 में भारत की यात्रा पर आये पर्यटकों की तुलना में नवम्बर, 1984 के दौरान यहां कम पर्यटक आये;

(ग) क्या यह भी सच है कि यद्यपि उसी अवधि के दौरान विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों के ठहरने के लिये नई दिल्ली के पंचतारा होटल "अशोक" में व्यवस्था की गई थी तथापि विदेशी अतिथियों के एक दल ने इस आधार पर उक्त होटल में ठहरने से इंकार कर दिया कि वहां समुचित सफाई व्यवस्था नहीं है; और

(घ) यदि हां, तो सरकारी स्वामित्व वाले होटलों की दशा में सुधार करने के लिए अब तक क्या कदम उठाये गये हैं ।

प्रधान मंत्री (श्री राजीव गांधी): (क) और (ख) 1984 के दौरान 8,52,503 पर्यटक भारत आए थे जबकि 1983 के दौरान इनकी संख्या 8,84,731 थी। 1984 के उत्तरार्द्ध में देश के कुछ भागों और साथ ही कुछ पड़ोसी देशों में गड़बड़ी के हालात के कारण उक्त वर्ष के दौरान पर्यटक आगमन में थोड़ी कमी आई थी। तथापि विभाग द्वारा और साथ ही विदेश-स्थित हमारे मिशनों द्वारा प्रतिकूल प्रचार को प्रभावहीन करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं और यह उम्मीद है कि 1985 के दौरान स्थिति सुधर जाएगी।

पर्यटक भेजने वाली प्रमुख मार्किटों में भारत की पर्यटन-क्षमता के बारे में